(1.)

Dr. Honey Sinha
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce

Lecture:-34

Sub:- Planning & Economic development
Paper:- (Subsidiary)
SNSRKS College, Saharsa

B. Com Part:- IInd
(B.Com Hons)

Introduction

* आर्थिक नियोजन का अर्थ और परिभाषाएँ *
("Meaning" & Definition" of Economic Planning)

नियोजन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा भावी उद्देश्यों तथा उन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये किये जाने वाले कार्यों को निर्धारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त उन सभी परिस्थितियों की जाँच की जाती है। जिनसे इसका सरोकार हो, इस प्रक्रिया मे किये जाने वाले कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर भी निर्धारित किये जाते है ये कार्य कब, कहाँ, किस प्रकार, किनके द्वारा, किन संसाधनों से, किस नियम एवं प्रक्रिया के अनुसार पूरे किये जायेंगे। नियोजन को अनेक विद्वानों ने अनेक विद्वानों ने अनेक प्रकार से परिभाषित किया है। जो निम्न लिखित है :-

* मोन्डे एवं फ्लिपो (Mondy and flippo) के अनुसार लक्ष्यों तथा इसकी प्राप्ति के लिए कार्य-पथ की निर्धारण की प्रक्रिया को नियोजन कहा जाता है।

* क्लॉड एस. जार्ज (Claude S. George) के अनुसार

(v) पर्यावरण संरक्षण करना
(vi) लोगों को आत्मनिर्भर बना कर गरीबी को कम करना
(vii) निवेश एवं पूँजी विकास को बढ़ावा देना
(viii)

आर्थिक नियोजन (Economic Planning) आर्थिक नियोजन संगठनों के बीच और भीतर संसाधनों के आवंटन के लिये एक तंत्र है जो बाजार तंत्र के विपरीत होता है। आर्थिक नियोजन, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लिये जाते है या केन्द्र सरकारों द्वारा प्रभावित होते है। भारत की आर्थिक योजना का उद्देश्य जो महत्वपूर्ण है :-

(i) आत्मनिर्भर
(ii) आर्थिक स्थिरता
(iii) समाज कल्याण और सेवाएं
(iv) क्षेत्रीय विकास
(v) व्यापक विकास

The end

Dr. Honey Sinha
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce
Sub:- Planning & Economic Development
B'com Part- IInd
SNSRKS College, SAHARSA

Scanned with CamScanner

(2)

नियोजन आगे देखना है, भावी घटनाओं की संकल्पना करना है तथा वर्तमान में भविष्य को प्रभावित करने वाले निर्णय लेना है।

* करन्ज एवं ओ डोनेल (Koontz and O'Donnell) के अनुसार, नियोजन एक बौद्धिक प्रक्रिया है, कार्यविधि का सचेत निर्धारण है, निर्णयों, निर्णयों को उद्देश्यों तथा पूर्व-विचारित अनुमानों पर आधारित करना है।

* एम. ई. हर्ले (M.E. Hurley) के शब्दों में, "क्या करना है, इसका पूर्व निर्धारण नियोजन है। इसमें विभिन्न वैकल्पिक उद्देश्यों, नीतियों, पद्धतियों एवं कार्यक्रमों में से चयन करना निहित है।

भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था है, जिसमें निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र का सह-अस्तित्व है। भारत में समाजवादी व्यवस्था पर आधारित विकास प्राप्त करने हेतु मार्च 1950 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक संविधानेतर संस्था 'योजना आयोग' का गठन किया।

* उद्देश्य :- इसके मुख्य उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना एवं आत्मनिर्भरता की प्राप्ति करना है। इसके अलावा अन्य उद्देश्यों में :-

(i) देश की बेरोजगारी को कम करना
(ii) संसाधनों का विकास करना एवं विकास परक कार्यों में लगाना
(iii) असमानताओं को दूर करना
(iv) मानव श्रम का वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग करना।

Scanned with CamScanner